

compp. — 2) f. = तुम्बी *Flaschengurke ÇABDAM.* im ÇKDr.

तुविकूर्मि (तु° + कूर्°) adj. *mächtig im Thun, thatkräftig*: Indra RV. 3,30,3. 6,22,5. 8,2,31. 16,8. 37,1. 70,2.

तुविकूर्मिन् adj. *dass.*; im *voc.* von Indra RV. 8,33,12.

तुविक्रतु (तु° + क्रतु°) adj. *willensstark*, im *voc.* von Indra RV. 8,37,2.

तुविर्नै adj. *Beiw.* von Indra's Bogen, nach Nir. 6,33 so v. a. वक्रवित्तेप oder महावित्तेप; *viell. höchst verderblich* (लं von 3. लि) RV. 8,66,11.

तुवित्तत्रै (तु° + तत्र°) adj. f. *महा* *mächtig herrschend*, von der Aditi VS. 21,5.

तुविर्ग्रै (तु° + ग्र° von 2. गर°) adj. *mächtig verschlingend*: (अग्निः) तुविर्ग्रैभिः सर्वभिर्याति वि ग्रयः RV. 1,140,9. — Vgl. तुविग्रै.

तुविग्र्यै (तु° + ग्राम°) adj. *mächtig erfassend*, von Indra RV. 6,22,5.

तुविर्ग्रै adj. = तुविग्रै. तुविग्रये वक्रये इष्टरीतवे (इन्द्राय) RV. 2,21,2.

तुविर्ग्रैव (तु° + ग्रीवा°) adj. *starknackig*: वृषभ RV. 5,2,18. 8,33,7. Indra 17,8. प्र स्वावानो रसानो तुविग्रैवां श्वरते 1,187,5.

तुविगतै (तु° + गत°) adj. *mächtig geartet, gewaltig, herrlich*; nur von Göttern gebraucht, von Indra RV. 1,131,7. 3,32,11. 6,18,4. 10,29,5. Varuṇa 2,27,1. 28,8. Varuṇa-Mitra 1,2,9. 7,66,1. von andern Göttern 1,138,1. 168,4. 190,8. 4,30,4. 11,2. 5,2. 11,27,3. 10,63,6.

तुविदेक्ष (तु° + दे°) adj. *der herrliche Gaben hat*, von Indra RV. 8,70,2.

तुविद्युम् (तु° + द्यु°) adj. *hochherrlich, viel vermögens*; von Indra RV. 1,9,6. 4,21,2. 6,18,11. 12,8,79,2. Agni 3,16,3. 6. von den Marut 5,87,7. द्युम्भ्यं के मरुतः सुवातास्तुविद्युमासौ धनयत्ते अद्रिम् 1,38,3. रयि 9,98,1.

तुविन्मृणै (तु° + नृ°) adj. *sehr tapfer, sehr muthig*: von Indra RV. 4,22,6. 6,31,3. 46,3. 8,24,27. 39,10. 10,148,1. मरुति अर्धस्तुविन्मृणम् 1,43,7. 10,61,3.

तुविप्रति nach Sā. zu *Vielen kommend*; unter Vergleichung von अ-प्रति wäre zu vernuthen: *mächtig widerstehend, kräftig zum Widerstand*: अन् प्रलस्यैवको ऊचे तुविप्रति नरम्। पं ते पूर्वं पिता ऊचे RV. 1,30,9.

तुविवार्यै (तु° + वाद्य°) adj. nach Sā. *Viele tödtend*: आ हि बुद्धे मंहावीरं तुविवाधमंजीपम् RV. 1,32,6.

तुविब्रह्मन् (तु° + ब्र°) adj. *sehr andächtig, sehr fromm*: अग्निस्तुविब्रह्माणमुत्तमं पुत्रं ददाति दाप्रये RV. 5,23,5.

तुविमघ s. तुवीमघ.

तुविमन्यु (तु° + म°) adj. *sehr eifernd, sehr grimmig*; im *voc.* von den Marut RV. 7,38,2.

तुविमात्रै (तु° + मात्रा°) adj. *sehr wirksam*: तुविमात्रमवैभिः RV. 8,70,2.

तुविमर्तै (तु° + मर्त°) adj. *stark versehrend, verderblich*: भामासः (अग्नेः) RV. 6,6,3. स युध्मः सत्वा खन्नकृत्समदा तुविमर्तो नदनुमौ मंजीषी 18,2.

तुविरोधस् (तु° + रा°) adj. *reichlich gewährend*: ते त्वा मदी इन्द्र मादपत्तु शुष्मिणां तुविरोधसं जरित्रे RV. 7,23,5. 4,24,2. die Marut 5,38,2.

तुविवाज (तु° + वाज°) adj. *nahrungskräftig, nahrungsreich; stärkend* (vgl. पुरुवाज): रेवतीर्नः सधमाद् इन्द्रै सत्तु तुविवाजाः RV. 1,30,13. आ सकृत् पयिभिर्निन्द्राया तुविद्युम् तुविवाजेभिर्वाक् (याहि) 6,18,11.

तुविशम् (तु° + श°) adj. *vielvermögend*, im *voc.* von Indra RV.

6,44,2.

तुविश्रुम् (तु° + श्रु°, im SV. oxyt.) adj. *potente spiritu praeditus*, von Indra RV. 2,22,1. 8,37,2. Indra-Varuṇa 6,68,2.

तुविश्रवस् (तु° + श्रव°) adj. *hochberühmt*, von Agni RV. 3,11,6. अग्निस्तुविश्रवस्तमं पुत्रं ददाति दाप्रये 5,23,5.

तुविष्टम (superl. von तुविस्; nach dem Paḍap. von तुवि mit eingeschobenem स) adj. *der überlegenste, der stärkste, validissimus*: आ वृत्रेन्द्रेण प्रास्तुविष्टमो नरा न इह गम्याः RV. 1,186,6. इन्द्रः पतिस्तुविष्टमो जनेषा AV. 6,33,3. die Agvin RV. 5,73,2.

तुविष्मत् (von तुविस्) adj. *kraftvoll, mächtig; vermögens*: वृषभ RV. 1,33,1. 2,12,12. 4,3,3. TS. 2,3,14,4. RV. 1,163,6. 7,20,4. 10,44,1. उदावृषाणो राधसे तुविष्मान्करेण इन्द्रः सुतीर्थभयं च 4,29,3. अथा मरुद्भिर्गणस्तुविष्मान् 7,36,7. 38,1. द्रप्सो न श्येतो मृगस्तुविष्मान् 87,6. 1,190,3. अयमन् TBr. 3,1,1,9.

तुविष्णस् (तु° + स्वन्स्) adj. *mächtig rauschend, stark tönend, laut rufend*: श्येनातो न डवसनातो अयं तुविष्णतो मरुतं न शर्धः RV. 4,6,10. Agni 5,8,3.

तुविष्णै (तु° + स्वनि°) adj. *dass.*, von Agni RV. 1,38,4. स हि शर्धो न मरुतं तुविष्णैः 127,6. 6,48,15. उत स्य वाड्यरूपस्तुविष्णैरिह स्म धायि दर्शतः 5,36,7. 2,17,6. 8,46,18.

तुविष्णन् (तु° + स्वन्) adj. *dass.*: विद्या यस्मिन्तुविष्णाय समये शुष्ममादुः RV. 5,16,3. अन्नेधत्ते तुविष्णाय 9,98,9. मरुतस्तुविष्णः 1,166,1.

तुविस् (von तु) eine zu तुविष्टम und तुविष्मत् vorauszusetzende Form.

तुवीमघ (तुवि + मघ, ein Mal तुवि°) adj. *reichlich spendend*, von Indra RV. 1,29,1. प्रायं स्तुषे तुविमघस्य दानम् 5,33,6. 8,30,18. 70,2. 81,29. die Marut 5,37,8.

तुवीरव (तुवि + रव) adj. *mächtig brüllend, dröhnend*: दास RV. 10,99,6.

तुवीरवत् adj.: कथा कविस्तुवीरवान्काया गिरा वृहस्पतिर्वावृधते सुवृत्तभिः RV. 10,64,4. एवा कविस्तुवीरवो मृतज्ञाः। उक्थेभिरत्र मतिभिश्च विप्रो ऽपीपयद्वेया दिव्यान् जन्म 16. Die Bed. von तुवीरव passt auch hier, so dass wir geneigt wären das Wort für eine Contraction von तुवीरवत् anzusehen; wenn रवत् als partic. gefasst wird, muss eine Unregelmässigkeit bei der Bildung des nom. angenommen werden.

तुव्यौजस् (तुवि + औजस्) adj. *sehr stark, übermächtig*: आ त्वा शर्मी शशमानस्यं शोक्तः। अस्मद्वक्त्रप्रधानस्यं यन्मा आपुर्न राणं तुव्यौजस् गोः RV. 4,22,8.

1. तुष्, तौशते etwa *träufeln*; die Comm. umschreiben: कृत्यते, अग्निपूयते, auch पोयते. इन्द्ररिन्द्राय तोशते RV. 9,109,22. 43,2. 107,9. पवित्रे अर्थि तोशते 27,1. — Vgl. तोश, तोशस्.

— नि 1) herabträufeln: इन्द्ररिन्द्राय तोशते नि तोशते श्रीणन्मो रिषान्नयः RV. 9,109,22. — 2) träufeln, spenden: पवमान नि तोशसे रयिं सौम अवाय्यम् RV. 9,63,23. उतो हि वीं दात्रा सात् पूर्वा या पुरुषेस्त्रसदस्युर्नितोशे (vgl. Benf. Gr. § 813. IV; der Accent aber auffallend) 4,38,1; nach Sā. = दत्तवान्. नितोशते Naigh. 2,19 = वधकर्मन्. — caus. spenden: मरुति स्थूरं राधः प्रस्कृताय नि तोशय Vālek. 3, 15. Nach Naigh. 2,19 = वधकर्मन्. — Vgl. नितोशन.

2. तुष् scheint eine Nebenform zu तुष् zu sein in den folgenden Stellen: सत्रा लं पुरुष्टुत् एको वृत्राणां तोशसे beschuichtigen RV. 8,13,11.